गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 33 | गोरखपुर रविवार 08 फरवरी 2026 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

न्यूज

ये समझौता नहीं, बल्कि आत्मसमर्पण है : पवन खेड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इससे भारत के हितों और आत्मसम्मान से समझौता हुआ है। खेड़ा ने वर्तमान नेतृत्व की तुलना उन पूर्व नेताओं से की जो अमेरिकी समकक्षों के साथ दृढ़ रुख अपनाते थे, जिससे मुखरता में कमी का संकेत मिलता है। उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों निक्सन, बुश और ओबामा का नाम लेते हुए कहा कि पिछली भारतीय सरकारें वैश्विक महाशक्तियों के साथ बराबरी का व्यवहार करती थीं।

मुंडन संस्कार से लौट रहे परिवार की कार नहर में समाई

कानपुर देहात। कानपुर देहात में एक बड़ा हादसा सामने आया है। मुंडन संस्कार से लौट रहे चार युवकों की कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई, जिससे तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा रसूलाबाद क्षेत्र के हरि निवादा गांव के पास हुआ। बताया गया कि कार देखते ही देखते नहर में समा गई और वाहन के अंदर पानी भर गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने साहसिक प्रयास किया। उन्होंने कार का शीशा तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

भारत में मुसलमानों की आबादी कभी भी हिंदुओं से अधिक नहीं होगी : ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि भारत में मुस्लिम आबादी कभी भी हिंदू आबादी से अधिक नहीं होगी। हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने तेलंगाना में नगर निगम चुनाव से पहले शुक्रवार रात निजामाबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया भाषण को सुन रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया की आबादी बूढ़ी हो रही है जबकि भारत की आबादी युवा है। एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने सवाल किया, अगर प्रधानमंत्री से पूछा जाए कि देश की 60 प्रतिशत आबादी 40 साल से कम उम्र की है।

पति की लाइसेंसी रायफल से पत्नी ने खुद को मारी गोली

कौशांबी। यूपी के कौशांबी जिले में एक महिला ने अपने पति की लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मार ली, घटना के बाद पति व बेटे उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरो ने महिला को मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान पता चला कि महिला डिप्रेशन में चल रही थी। जिसका इलाज प्रयागराज में चल रहा था। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र की है, जहां संगीता सिंह (42) पत्नी करन सिंह, निवासी पचम्भा अपने पति व बच्चों के साथ पूरब शरीरा स्थित निजी आवास में रह रही थी। पति करन सिंह सहज जनसेवा केंद्र के संचालक हैं। परिजनों के अनुसार संगीता लंबे समय से मानसिक बीमारी से पीड़ित थी। बीती रात अचानक उसने पति की लाइसेंसी राइफल से अपने सीने में गोली मार ली।

भारत- अमेरिका डील पर बोले मुख्यमंत्री योगी...

यह आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

संवाददाता

लखनऊ। भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यह आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह अंतरिम व्यापार ढांचा मेक इन इंडिया को निर्णायक बढ़ावा देता है। यह भारतीय उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है और साथ ही किसानों, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका की रक्षा करता है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, उन्होंने एक संतुलित, पारस्परिक और भारत-प्रथम समझौते को सुरक्षित करने में अपने निर्णायक और गतिशील नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जो एमएसएमई को सशक्त बनाता है, निर्यात को बढ़ावा देता है, आपूर्ति

श्रृंखलाओं को मजबूत करता है और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करता है। उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ता भारत-अमेरिका सहयोग मेड इन इंडिया में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दशार्ता है और वैश्विक विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। इससे पहले, राष्ट्रीय लोकदल के नेता और केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चैधरी ने भी भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने किसान, कामगार, कारीगर, कुटीर उद्योग और युवाओं के लिए ही दूसरे देश और समूह के साथ व्यापार नीति और करार में परिवर्तन के लिए प्रयास किया है। उन्होंने स्वयं इस बात को दो टूक कहा था और कई बार दोहराया भी। उन्होंने कहा, देश का किसान भी जानता है कि बेहतर दाम, उत्पाद और आर्थिक तरक्की के लिए विज्ञान, विधि और व्यापार से ही उनकी मेहनत रंग लाएगी। किसान खुशहाल, गांव संपन्न, और हम विकसित भारत की ओर। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने व्यापार समझौते को लेकर कहा, भारतीय निर्यातकों के लिए पारस्परिक टैरिफ में 18 प्रतिशत की कमी गेम चेंजर साबित होगी। कपड़ा और चमड़े से लेकर मशीनरी और हस्तशिल्प उत्पादों तक, यह समझौता विस्तार, वैश्विक पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मकता के अवसर पैदा करता है। जितिन प्रसाद ने यह भी बोला कि भारत और अमेरिका में होने वाले अंतरिम समझौते का फ्रेमवर्क डिजिटल सेवा क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति को और अधिक मजबूत करेगा। दोनों देशों के बीच संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग से भारत भविष्य में एआई, डेटा और डिजिटल सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में डेयरी, फल, सब्जियां, मसाले और अन्य अनाजों को संरक्षित किया गया है। स्थानीय कृषि को इतने बड़े बाजार में मजबूती मिलेगी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और सशक्त कदम बढ़ेगा।

हम टॉप 3 अर्थव्यवस्थाएं के करीब: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी अर्थव्यवस्था थी, लेकिन अब हम शीर्ष तीन में शामिल होने के करीब हैं।

शनिवार को कुआलालंपुर में एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जल्द ही मलेशिया में नया वाणिज्य दूतावास खोलेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने 10 वर्षों में व्यापक परिवर्तन देखा है और तब यह 11वीं सबसे उन्होंने आगे कहा कि भारत जल्द ही छात्रों को भारत में अध्ययन करने के लिए तिरुवल्लुवर छात्रवृत्ति प्रदान करेगा और यह भी बताया कि ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हैं; विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले कहा था कि भारत को सिर्फ एक विशाल बाजार के रूप में देखा जाता था। उन्होंने कहा कि अब हम निवेश और व्यापार का केंद्र हैं। भारत को विकास के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखा जाता है। चाहे वह ब्रिटेन हो, यूएई हो, ऑस्ट्रेलिया हो, न्यूजीलैंड हो, ओमान हो, यूरोपीय संघ हो या अमेरिका हो, इन सभी देशों के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हैं।

बसपा को कमजोर करने की साजिश लगातार चल रही: मायावती

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर लखनऊ में एक अहम बैठक की। उन्होंने कहा कि बसपा को कमजोर करने की साजिश लगातार चल रही है और धर्म व जाति के नाम पर राजनीति की जा रही है, जो देशहित में नहीं है। इस बैठक में जोनल प्रभारी से लेकर विधानसभा प्रभारी तक शामिल हुए। पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश चंद्र मिश्रा, उमाशंकर सिंह और आकाश आनंद भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक से पहले मायावती ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जिला और विधानसभा स्तर के बड़ी संख्या में नेता इस बैठक में पहुंचे हैं।

किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं : शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आश्वासन दिया कि सरकार ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के अंतरिम ढांचे में किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रमुख फसलों और दुग्ध उत्पादों की रक्षा की है। शिवराज सिंह चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस समझौते से भारतीय निर्यात के लिए अमेरिकी बाजार खुलेंगे और उन्होंने कहा कि हमारे बासमती चावल अमेरिका में धूम मचा देंगे।

सम्पादकीय...

चुनौतियों का जवाब देने वाला बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट भारत के सभी समूहों की आकांक्षाओं, आंतरिक और बा चुनौतियों व आवश्यकताओं, राजनीतिक मांग एवं नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा देश के घोषित आर्थिक विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा है या नहीं? पिछले कुछ समय से उत्पन्न वैश्विक उथल-पुथल में भारत को अपनी विकास गति बनाए रखने के साथ नई वैश्विक सांझेदारी, निर्यात बाजार आदि विकसित करने तथा घरेलू उत्पादकों को नीतियों और प्रोत्साहन से समर्थन देने की चुनौती है। बजट में कोई लोक लुभावन घोषणा नहीं, पूरा फोकस इस बात पर कि इस उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के दौर में देश की अर्थव्यवस्था सुरक्षित, मजबूत और स्थिर होने के साथ विस्तारित भी हो, विश्व व्यापार के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हो, किशोर और युवा वर्ग को भारत राष्ट्र के लक्ष्य और रोजगार दिलाने के अनुरूप शिक्षा, रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में 3 कत्तव्य के नाम पर लक्ष्य और बजट की सैद्धांतिक आधारभूमि स्पष्ट कर दी। पहला, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने तथा वैश्विक उथल-पुथल के परिदृश्य में लचीलापन लाकर आर्थिक विकास को तेज करना और उसकी गति बनाए रखना। दूसरा, भारत की समृद्धि के पथ में सशक्त सांझेदार बनाने के लिए लोगों की आकांक्षाएं पूरी करना और उनकी क्षमता बढ़ाना तथा तीसरा, सरकार की सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण के अनुकूल, यह सुनिश्चित करना कि सार्थक भागीदारी के लिए प्रत्येक परिवार, समुदाय और क्षेत्र को संसाधनों, सुविधाओं और अवसरों तक पहुंच उपलब्ध हो। वित्त मंत्री ने आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए निम्न क्षेत्रों में पहल शुरू करने का प्रस्ताव रखा। एक, रणनीतिक और अग्रणी क्षेत्रों में विनिर्माण को तेज करना। दो, विरासत के औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प करना। तीन, चैंपियन एम.एस.एम.ई. का निर्माण करना। चार, आधारभूत संरचना को सशक्त प्रोत्साहन प्रदान करना। पांच, दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित करना तथा छरू, शहरों में आर्थिक क्षेत्र विकसित करना। तमाम उथल-पुथल के बीच नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा घोषित लक्ष्यों के अनुरूप राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत तक सीमित रखना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इसीलिए इस वर्ष के लिए 4.3 प्रतिशत का लक्ष्य है। पूंजीगत खर्च, जो आधारभूत संरचना पर खर्च होता है, के लिए 12 लाख 20 करोड़ का आबंटन सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है। यह कुल बजट का लगभग 23 प्रतिशत है। विनिर्माण, सेवा और कृषि हमारी अर्थव्यवस्था और विकास के मूलाधार हैं। कुशल और दक्ष युवा वर्ग तैयार करना भारत का बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि जब हम अन्य देशों से मोबिलिटी समझौता करते हैं तो काम करने वालों के क्षेत्र का भौगोलिक विस्तार हो जाता है। 2047 तक भारत का सेवा क्षेत्र में वैश्विक हिस्सा 10 प्रतिशत तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निश्चित है। वैश्विक बायोफॉर्मा निर्माण केन्द्र के रूप में भारत को विकसित करने के लिए कुल 10,000 करोड़ रुपए से बायोफॉर्मा शक्ति की शुरूआत हो रही है जो बायोलॉजिक और बायोसिमिलरों के घरेलू उत्पादन के लिए अगले पांच वर्षों में ईको-सिस्टम का निर्माण करेगी। सैमीकंडक्टर और ए.आई. क्षेत्र में देर से आने के बावजूद अग्रणी देश बनने की दृष्टि से महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं।

राशिफल

मेषः- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

बृषभः- शासन-सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढ़ेगी।

कर्कः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढेगी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः- सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः- बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः- अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें।

पंथक वोटरों के लिए तय करना मुश्किल कि असैंबली चुनावों में वोट दें या नहीं

इकबाल सिंह चन्नी

2027 के पंजाब असैंबली के लिए पंथक मामले एक केंद्रीय मुद्दा बन गए हैं। सभी राजनीतिक दल पंथक एजैंडे को आगे रखकर चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं। सभी पार्टियां खुद को पंथक सपोर्टर और दूसरी पार्टियों को पंथ विरोधी बताने में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं। लेकिन इस पूरे परिदृश्य में, लगभग सभी पाष्टयों की हालत हमाम में सब नंगे जैसी हो गई है क्योंकि इस समय सभी मुख्य पार्टियों पर पंथक हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लग रहा है। अगर हम मौजूदा राजनीतिक दलों का विश्लेषण करें, तो सभी पार्टियों पर पंथक मुद्दों पर किसी पर कुछ कम और किसी पर कुछ ज्यादा आरोप लग रहे हैं। यह सब समझने के लिए, आइए सभी प्रमुख पार्टियों कांग्रेस, भाजपा, आप और अकाली दल बादल के पंथक मुद्दों के प्रति पिछले बर्ताव का विश्लेषण करते हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी और सबसे लंबे समय तक देश और राज्यों पर राज करने वाली कांग्रेस की बात करें, तो सबसे ज्यादा आरोप इसी पार्टी पर लगते हैं। देश आजाद होने के बाद, जब कांग्रेस सत्ता में आई, तो सिखों यानी पंथ के साथ भेदभाव का दौर शुरू हो गया। अगर इतिहास देखें, तो देश आजाद होने के बाद, सिखों से किए गए वादों को भूलकर, कांग्रेस ने सिखों के साथ भेदभाव करना शुरू कर दिया, जिसमें पंजाब के गवर्नर द्वारा सिखों को क्रिमिनल कम्युनिटी घोषित करना, भाषा के आधार पर पंजाबी राज्य बनाने से मना करना, पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ को केंद्र शासित बनाना, पानी के बंटवारे में पंजाब के साथ भेदभाव करना, पंजाब की चुनी हुई सरकारों को बार-बार तोड़कर राष्ट्रपति शासन लागू करना, श्री अमृतसर के दरबार साहिब में श्री अकाल तख्त पर हमला करना और उस समय की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली और देश के अलग-अलग हिस्सों में सिखों का कत्लेआम करना और सिखों के कातिलों को सजा देने की बजाय उन्हें ऊंचे पद देना शामिल था। लेकिन कांग्रेस पार्टी इन आरोपों के जवाब में ज्ञानी जैल सिंह को राष्ट्रपति, स. बूटा सिंह को गृहमंत्री, स. मनमोहन सिंह को देश का प्रधानमंत्री बनाने का श्रेय लेकर खुद को पंथक हितैषी होने का दावा करती है। शिरोमणि अकाली दल, जिसे अब अकाली दल बादल के नाम से जाना जाता है, खुद को पंथ का सबसे बड़ा हमदर्द बताता है और उस पर कई पंथ विरोधी काम करने के कई आरोप हैं। इनमें खासकर 1978 में हुई निरंकारी घटना, मोगा कॉन्फ्रैंस के दौरान अकाली दल को पंथक पार्टी की जगह पंजाबी पार्टी घोषित करना, बाबा राम रहीम की बेअदबी के लिए उनके खिलाफ एक्शन न लेना, सरकारी मदद से बाबा राम रहीम की फिल्म चलाना, बाबा राम रहीम को माफ करना, शांति से प्रोटैस्ट करने वाले सिखों पर गोली चलाना और श्री अकाल तख्त साहिब के हुक्मनामे को पूरी तरह लागू न करना तथा सिख मसलों को पूरी तरह हल न करना शामिल है। अकाली दल बादल ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है और सिख पंथ के लिए किए गए अपने कामों का हवाला देकर खुद को सिख पंथ का प्रवक्ता बताया है। इन कामों में पंजाबी सूबा बनाना, सिख गुरुओं के दिनों को बड़े पैमाने पर मनाना, सिख शहीदों की यादगारें बनाना, सिख इतिहास को दुनिया के सामने लाना, विरासत-ए-खालसा जैसी यादगारें बनाना, सिख धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए देश-विदेश में प्रचार केंद्र खोलना और कई दूसरे काम शामिल हैं। आप, जो कुछ साल पहले ही बनी है, अब तक खुद को सैक्युलर पार्टी के तौर पर पेश करती रही है लेकिन उसने सिखों से किए वादे, जैसे बेअदबी और बहबल कलां और कोटकपूरा गोली कांड में इंसाफ का वादा पूरा नहीं किया है। इसके अलावा, सुल्तानपुर में गुरुद्वारा साहिब पर पुलिस की फायरिंग, आप के मुख्यमंत्री द्वारा सिख मयार्दाओं का उल्लंघन, अकाल तख्त साहिब और गुरु की गोलक के बारे में कहे गए अपशब्द, हर दिन हो रही बेअदबी की घटनाएं और गायब पवित्र स्वरूपों की बरामदगी पर यू-टर्न। लेकिन आम आदमी पार्टी ने भी दूसरों की तरह खुद को पंथक हितों के रखवाले के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया है। आप का दावा है कि उसने बेअदबी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाए हैं, गायब पवित्र स्वरूपों के मुद्दे पर एफ.आई.आर. दर्ज की है और एस.आई.टी. बनाई है तथा गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस को आधिकारिक तौर पर मनाया है। चैथी मुख्य पार्टी, भाजपा को भी कई तरह की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें सिखों को एक अलग समुदाय न मानना, कुछ नेताओं द्वारा सिख विरोधी बयान, तीन कृषि कानून और जेल में बंद सिखों की रिहाई शामिल है, जिससे आम सिख भाजपा से दूर हो रहे हैं। लेकिन भाजपा सिखों के लिए किए गए कामों की लंबी लिस्ट पेश करती है, जिसमें भाजपा ने कांग्रेस के समय में ब्लैक लिस्ट किए गए करीब 350 सिखों के नाम हटाने, करतारपुर साहिब कॉरिडोर खोलने, अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप श्रद्धा के साथ भारत लाने, हेमकुंट साहिब में रोप-वे बनाने, गुरु साहिबान की शताब्दियां सरकारी स्तर पर मनाने, छोटे साहिबजादों का शहीदी दिवस विश्व स्तर पर मनाने, 84 के सिखों के कातिलों को सजा दिलाने, पीड़ितों को मुआवजा देने और पीड़ित परिवारों के सदस्यों को सरकारी नौकरी देने, पार्टी संगठन और सरकार में सिखों को ज्यादा प्रतिनिधित्व देने जैसे कामों का खास तौर पर जिक्र किया है।

कुछ खास...

प्रधानमंत्री का डर और संसद की गरिमा

संसद सत्र को सत्ता पक्ष की तरफ से ही बाधित करना, एक साथ विपक्ष के सौ से ज्यादा सांसदों का निलंबन, सदन के भीतर एक अल्पसंख्यक सांसद के लिए अपशब्दों का प्रयोग, पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल, महिला सांसदों के लिए अभद्र टिप्पणियां, संसद के भीतर रंगीन धुआं उड़ाना, संसद में हिंदू पंडितों से पूजा-पाठ करवाकर धर्मनिरपेक्षता की बलि चढ़ाना और सुबह सत्र संचालित करा रहे राज्यसभा सभापति का अचानक शाम को स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा और उन्हें औपचारिक विदाई तक न देना, मोदी सरकार में संसदीय परंपराओं और मयार्दा को किस तरह बार-बार तोड़ा गया, ये उसके चंद उदाहरण हैं। लेकिन अब तो संसदीय इतिहास को मुंह चिढ़ाते हुए मोदी सरकार ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसका अगला पायदान तानाशाही ही लगता है।राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की तरफ से चर्चा के बिना ही पारित करा दिया गया। पाठक जानते हैं कि 2 और 3 फरवरी को राहुल गांधी को सत्तापक्ष ने पूरा भाषण नहीं देने दिया। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोद मुकुंद नरवणे की किताब के कुछ अंश कारवां पत्रिका में प्रकाशित हुए थे, जिसे राहुल गांधी ने सत्यापित करने के बाद उद्धत करना चाहा लेकिन सत्ता पक्ष की टोकाटाकी के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने उन्हें नियम 349 का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दी। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा भी कि मैं बिना उद्धत किए ही अपनी बात रखता हूं, लेकिन जैसे ही वे चीन पर बोलने लगे, सत्ता पक्ष की घबराहट देखकर आसंदी ने उन्हें बोलने नहीं दिया। इसके बाद विपक्ष के किसी सांसद ने भाषण नहीं दिया। राहुल गांधी तो सदन में बहादुरी के साथ डटे रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कायरता की नयी मिसाल देश के सामने पेश की। वे संसद आए और फिर वापस लौट गए। बुधवार शाम पांच बजे उनका भाषण लोकसभा में निर्धारित था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का कहना है कि उन्होंने ही प्रधानमंत्री को सदन में आने से मना किया था। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि कांग्रेस के सांसद उन पर शारीरिक हमला कर सकते थे। इस बीच हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। ओम बिड़ला ने कहा कि अगर कोई घटना हो जाती तो लोकतंत्र की मयार्दा तार-तार हो जाती। उसे टालने के लिए मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वह सदन में ही ना आएं। अंत में उनके ही भाषण के बिना ही धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूर करने का फैसला हुआ। हालांकि संसद टीवी में दिख रहा है कि कांग्रेस की महिला सांसद राहुल गांधी को बोलने से रोकने का विरोध कर रही थीं और उनके हाथों में पोस्टर थे। उनका इरादा प्रधानमंत्री मोदी पर हमले का नहीं था। लेकिन अब उसी घटना की वजह से प्रधानमंत्री के बुधवार को लोकसभा में न आने की सफाई दी जा रही है।तो कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी हाथ में पोस्टर थामी हुई चंद महिला सांसदों से डर गए। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि क्या सरकार ने इस पर कोई रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है।

जब हकीकत ने सिनेमा को टक्कर दी, अस्फारुल हक मामला और द केरल स्टोरी 2

कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं सिनेमा की कहानियों से इस कदर मेल खा जाती हैं कि समाज को झकझोर कर रख देती हैं। हाल ही में सामने आया अस्फारुल हक का मामला ऐसा ही एक उदाहरण बनकर उभरा है, जिसे लेकर यह कहा जा रहा है कि इसकी परिस्थितियां आगामी फिल्म द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड की कहानी से चैंकाने वाली समानता रखती हैं। पुलिस ने अस्फारुल हक नामक एक व्यक्ति को कथित तस्करी और शोषण रैकेट से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपी पर आरोप है कि वह महिलाओं से दोस्ती करने के लिए झूठी पहचान का इस्तेमाल करता था और बाद में उन्हें मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक रूप से ब्लैकमेल कर शोषण करता था। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में कई गंभीर तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि कानून के तहत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस मामले ने तब और ज्यादा ध्यान खींचा जब इसकी तुलना फिल्म निमार्ता विपुल अमृतलाल शाह की आने वाली फिल्म द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड से की जाने लगी। फिल्म की कहानी भी इसी तरह की परिस्थितियों को दशार्ती है, जहां झूठी पहचान, भावनात्मक जाल और विश्वासघात के जरिए महिलाओं को फंसाने की साजिश को उजागर किया गया है। फिल्म में तीन हिंदू लड़कियों की कहानी दिखाई गई है, जो प्रेम और भरोसे के रिश्तों में उलझकर एक कथित गुप्त साजिश का शिकार हो जाती हैं। कहानी इस बात पर रोशनी डालती है कि कैसे मासूम और संवेदनशील महिलाओं को योजनाबद्ध तरीके से भ्रमित किया जाता है, उनके विश्वास का फायदा उठाया जाता है और फिर उन्हें मानसिक शोषण की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अस्फारुल हक के मामले में भी पुलिस जांच के दौरान सामने आए आरोपों ने इसी तरह के तरीकों की ओर इशारा किया है। यही समानताएं फिल्म और वास्तविक घटना के बीच एक ऐसा संबंध स्थापित करती हैं, जो दर्शकों और समाज दोनों को सोचने पर मजबूर कर देती हैं। यह सवाल उठता है कि क्या सिनेमा केवल कल्पना है या वह समाज में मौजूद वास्तविक घटनाओं का प्रतिबिंब भी हो सकता है। कई बार फिल्में उन मुद्दों को सामने लाती हैं, जिन पर खुलकर बात करना असहज माना जाता है। इस बीच, द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है, जिसे दर्शकों की ओर से मिली-जुली लेकिन व्यापकप्रतिक्रिया मिली है। फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक कमाख्या नारायण सिंह ने किया है। ट्रेलर में गहन भावनात्मक दृश्यों और गंभीर विषयवस्तु के जरिए एक डरावनी सच्चाई को पेश करने की कोशिश की गई है। निमार्ताओं के अनुसार यह फिल्म किसी एक समुदाय को निशाना बनाने के बजाय महिलाओं की सुरक्षा, पहचान और उनके साथ होने वाले शोषण के मुद्दे पर केंद्रित है। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है और इसे लेकर पहले से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता देखी जा रही है। अस्फारुल हक का मामला और द केरल स्टोरी 2 की कहानी यह दशार्ती है कि जब सिनेमा और वास्तविकता की रेखाएं धुंधली होने लगती हैं, तब समाज को आत्ममंथन करने की आवश्यकता होती है। चाहे वह रील लाइफ हो या रियल लाइफ, ऐसे मामलों पर गंभीर चर्चा और जिम्मेदार दृष्टिकोण ही किसी भी समाज को आगे बढ़ने की दिशा दिखा सकता है।

फिल्म घूसखोर पंडित के टाइटल पर हो रहे विवाद के बीच मेकर्स ने दी सफाई, प्रचार सामग्री हटाने का किया फैसला

मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म घूसखोर पंडित रिलीज से पहले ही विवादों में घिरती दिख रही है। देश के अलग-अलग हिस्सों में फिल्म के टाइटल को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं एफएमसी ने भी फिल्म के अनअथराइज्ड टाइटल को लेकर मेकर्स को नोटिस भेजा है। इसी बीच अब बढ़ते विरोध को देखते हुए फिल्म निमार्ता नीरज पांडे ने एक बयान जारी कर फिल्म के टाइटल पर अपनी सफाई पेश की है। घूसखोर पंडित की घोषणा होते ही फिल्म के टाइटल में पंडित शब्द के इस्तेमाल को लेकर लोगों ने नाराजगी जताई है और उनका कहना है कि इससे ब्राह्मण समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। फिल्म के नाम को लेकर विवाद बढ़ता देख नीरज पांडे ने इंस्टाग्राम पर एक नोट जारी कर लिखा, हमारी फिल्म एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है। इसमें श्पंडितश शब्द का प्रयोग केवल एक काल्पनिक पात्र के बोलचाल के नाम के रूप में किया गया है। कहानी एक व्यक्ति के कामों और विकल्पों पर केंद्रित है। किसी भी जाति, धर्म या समुदाय पर टिप्पणी या प्रतिनिधित्व नहीं करती है। एक फिल्म निमार्ता के रूप में मैं अपने काम को गहरी जिम्मेदारी की भावना के साथ करता हूं, ऐसी कहानियां कहना जो अच्छी और सम्मानजनक हों।

ड्रग्स मामले में जानी-मानी एक्ट्रेस गिरफ्तार, तलाशी में पुलिस ने बरामद किए नशीले पदार्थ

तमिल फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जानी-मानी एक्ट्रेस अंजू कृष्णा को ड्रग्स रखने के आरोप में एंटी-नारकोटिक्स इंटेलिजेंस यूनिट (एएनआईयू) ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अंजू कृष्णा के साथ एक असिस्टेंट डायरेक्टर समेत कुल आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है। गिरफ्तारी की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर यह मामला तेजी से वायरल हो गया है। इस केस की शुरूआत एएनआईयू साउथ टीम के इंस्पेक्टर जॉनी चेल्लाप्पा द्वारा की गई एक कार्रवाई से हुई। पुलिस ने सबसे पहले नेसापक्कम निवासी विग्नेशवरन को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान विग्नेशवरन ने पोरूर के पास कोवूर इलाके में रहने वाले वेंकटेश कुमार का नाम उजागर किया। इसके बाद पुलिस ने वेंकटेश को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। एक फर्जी ग्राहक को उसके पास भेजा गया और जैसे ही सौदे की पुष्टि हुई, पुलिस ने छापेमारी कर दी। तलाशी के दौरान वेंकटेश की कार से ड्रग्स बरामद की गईं, जिसके बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा होता चला गया। जांच आगे बढ़ने पर एक्ट्रेस अंजू कृष्णा और असिस्टेंट डायरेक्टर विंसी निवेथा समेत अन्य लोगों की भूमिका सामने आई। पुलिस ने सभी आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहन जांच जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 6 ग्राम मेथम्फेटामाइन,7 ग्राम ओजी गांजास 15 ग्राम गांजा, एक स्मोकिंग बोंग, एक स्टाम्प और 9 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। गिरफ्तार सभी आरोपियों को मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस ड्रग नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हो सकते हैं और इसकी सप्लाई चेन कितनी बड़ी है।अंजू कृष्णा तमिल सिनेमा की जानी-पहचानी एक्ट्रेस हैं। वह तमिल फिल्म वेल्लीमलाई में नजर आ चुकी हैं और इसके अलावा कुछ मलयालम फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। वहीं, विंसी निवेथा ने एक तमिल फिल्म में सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया था। बीते कुछ समय से दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री से दूर चल रहे थे।

अहान के कारण बंद हुई सनकी? सुनील शेट्टी ने बेटे पर लगे आरोपों को बताया गलत; बोले- ये उसके साथ नाइंसाफी है

अहान शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर चचाओं में बने हुए हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अब अहान शेट्टी की फिल्म सनकी के बंद होने की चचाएं एक बार फिर से उठी हैं। दरअसल, इस फिल्म के बंद होने की वजह अहान शेट्टी के सपोर्टिंग स्टाफ पर आने वाले अधिक खर्च को बताया गया था। कई रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि अहान शेट्टी के सहयोगी स्टाफ पर अधिक खर्च आने के कारण मेकर्स ने सनकी फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब इन चचाओं पर अहान के पिता व अभिनेता सुनील शेट्टी ने प्रतिक्रिया दी है। 2021 में अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के रिलीज होने के बाद उनकी अगली फिल्म 'सनकी' को अचानक रोक दिया गया। बॉलीवुड हंगामा की 2024 की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि यह फैसला अहान के साथ आए लोगों के कारण कथित तौर पर हुए खर्चों से बढ़ी चिंताओं के बाद लिया गया है। अब लहरें रेट्रो के साथ बातचीत में अभिनेता सुनील शेट्टी ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर भी बात की। सुनील शेट्टी ने कहा कि अहान ने कभी भी अपने साथ आए लोगों को हद से ज्यादा नहीं रखा। ये सब अफवाहें हैं। ये अफवाहें निमार्ता की सुविधा के लिए फैलाई गई हैं। अगर निमार्ता कहता है कि वह बिल दिखा सकता है, तो मैं देखूंगा। ऐसे में पिता को दखल देना पड़ता है और मैं साफ तौर पर दखल दूंगा। अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए झूठ मत फैलाओ, क्योंकि यह अहान के साथ नाइंसाफी है। सुनील शेट्टी ने आगे कहा कि अहान अपने साथ आने वाले लोगों को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। अगर वे उनके साथ आते हैं, तो उनका खर्च वही उठाते हैं। उन्हें इस बात का पूरा एहसास है। जब सुनील शेट्टी घर से खाना-पानी लाते हैं, तो मेरे स्टाफ को कहा गया है कि अगर आप यूनिट का खाना खा रहे हैं, तो ठीक है, लेकिन अगर आप बाहर से खाना मंगवाना चाहते हैं, तो बिल मेरे नाम से बनवाएं, निमार्ता के नाम से नहीं। मेरा स्टाफ ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता, इसलिए अहान का स्टाफ तो ऐसा बिल्कुल नहीं करेगा।

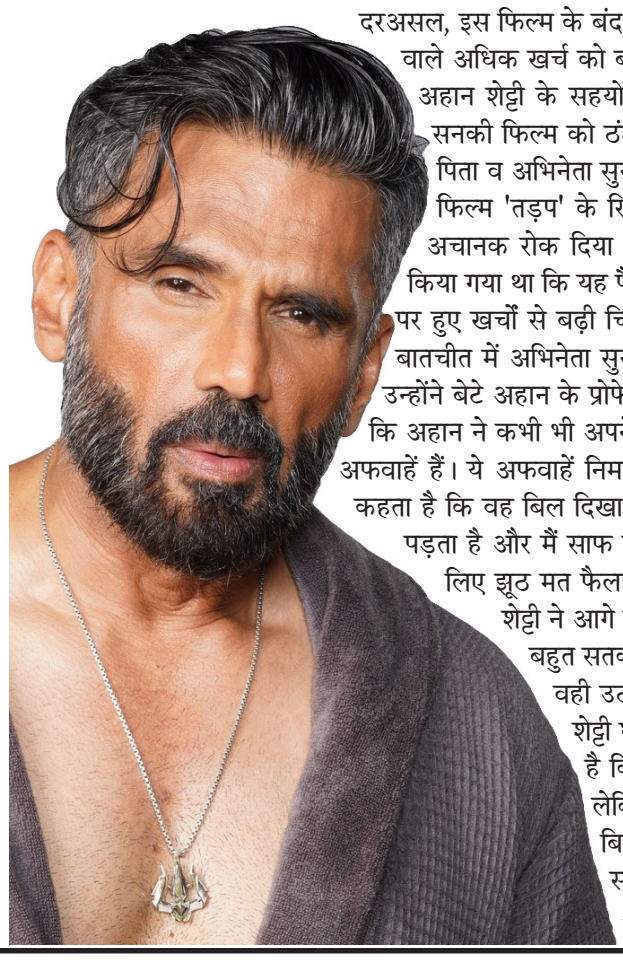

बच्चों के लिए कितना जरूरी है आउटडोर गेम्स

गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों ने मोबाइल गेम की लत के चलते उठाए गए आत्मघाती कदम ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद घटना ने डिजिटल दुनिया के उस डार्क साइड को उजागर किया है, जहां बच्चे बंद कमरों में मोबाइल स्क्रीन पर अधिक समय बिता रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, इस समस्या का सबसे प्रभावी समाधान 'आउटडोर गेम्स' है।

जब बच्चा घर से बाहर निकलकर मैदान में खेलता है, तो उसका न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी मजबूत होता है। खेल के दौरान शरीर में 'एंडोर्फिन' और 'सेरोटोनिन' जैसे हैप्पी हार्मोन्स का स्राव होता है, जो तनाव और अकेलेपन को कम करते हैं।साथ ही जब लोगों से मिलता-जुलता है तो मन में बैठी कुंठाएं भी दूर होती हैं।

आउटडोर गेम्स बच्चों को टीम वर्क, हार स्वीकार करना और वास्तविक सामाजिक संवाद सिखाते हैं, जो किसी भी मोबाइल गेम के 'वर्चुअल रिवॉर्ड्स' से कहीं अधिक मूल्यवान हैं। आज के दौर में बच्चों को मोबाइल की आभासी दुनिया से बाहर निकालकर मैदान की मिट्टी से जोड़ना उनकी मानसिक सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है।

तनाव और एंग्जायटी का प्राकृतिक उपचार

आउटडोर गेम्स बच्चों के लिए एक 'नेचुरल स्ट्रेस बूस्टर' की तरह काम करते हैं। जब बच्चे दौड़ते-भागते हैं, तो उनके मस्तिष्क में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है, जिससे एकाग्रता और याददाश्त में सुधार होता है।

यह शारीरिक सक्रियता कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन्स के स्तर को कम करती है। मोबाइल गेम्स जहां बच्चों को चिड़चिड़ा और हिंसक बनाते हैं, वहीं आउटडोर खेल उन्हें धैर्य और मानसिक शांति प्रदान करते हैं, जिससे सुसाइडल टेंडेंसी जैसे नकारात्मक विचार दूर रहते हैं।

सामाजिक कौशल और टीम भावना का विकास

ऑनलाइन गेमिंग बच्चों को समाज से काटकर एक 'आइसोलेशन' यानी अकेलेपन में धकेल देती है। इसके विपरीत, फुटबॉल, क्रिकेट या कबड्डी जैसे खेल बच्चों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना सिखाते हैं। मैदान पर वे जीत का जश्न मनाना और हार से सीखना सीखते हैं। यह 'सोशल इंटरेक्शन' बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उन्हें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार करता है।

हड्डियों की मजबूती और गहरी नींद के फायदे

बाहर खेलने से बच्चों को पर्याप्त मात्रा में 'विटामिन-ऊ' मिलता है, जो हड्डियों के विकास और मजबूत इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी है। शारीरिक थकान के कारण बच्चों को रात में गहरी और प्राकृतिक नींद आती है। अच्छी नींद सीधे तौर पर बेहतर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी है। इसके विपरीत, देर रात तक मोबाइल पर गेम खेलने से बच्चों की स्लीप साइकिल बिगड़ जाती है, जो आगे चलकर डिप्रेशन और गंभीर मानसिक विकारों का कारण बनती है।

स्क्रीन टाइम घटाएं, स्पोर्ट्स टाइम बढ़ाएं

गाजियाबाद की घटना एक चेतावनी है कि हमें अपने बच्चों के हाथों से स्मार्टफोन के स्क्रिन टाइम को लिमिच करें और उन्हें आउटडोर गेम्स के लिए प्रेरित करें। माता-पिता को चाहिए कि वे स्वयं भी बच्चों के साथ मैदान में समय बिताएं। डिजिटल डिटॉक्स का सबसे सरल तरीका यही है कि बच्चों को वास्तविक खेलों का रोमांच महसूस कराया जाए। ध्यान रखें एक हेल्दी शरीर के भीतर ही एक स्वस्थ और मजबूत दिमाग निवास करता है, जो किसी भी बाहरी दबाव में टूटने के बजाय उससे लड़ना जानता है।

धीरे-धीरे शुरू हो चुका है मौसम में बदलाव, अभी से बरतें ये सावधानी वरना हो सकता है सर्दी-जुकाम

फरवरी का महीना अपने साथ मौसम में एक बड़ा बदलाव लेकर आता है, जहां दिन की गुनगुनी धूप और रात की हल्की ठंड हमारे शरीर के प्रतिरोधी तंत्र के लिए एक चुनौती

बन जाती है। इसे आप मौसम का करवट लेने वाला महीना कह सकते हैं जिसमें तापमान में होने वाला उतार-चढ़ाव वायरस और बैक्टीरिया के पनपने के लिए सबसे अनुकूल होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस समय हवा में नमी कम होने और धूल कणों के बढ़ने से 'राइनोवायरस' सक्रिय हो जाता है, जो सामान्य सर्दी-जुकाम और गले में खराश का मुख्य कारण होता है। लोग अक्सर दोपहर की गर्मी देख ठंडे पानी का सेवन या गर्म कपड़े नहीं पहनने की गलती कर देते हैं, जिससे जब मौसम का तापमान अचानक गिर जाता है और संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है ऐसे में अगर अभी से सावधानी न बरती गई, तो यह साधारण जुकाम आगे चलकर फ्लू या वायरल बुखार का रूप ले सकता है। इसलिए आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

बदलते मौसम में खान-पान का रखें खास ख्याल

इस समय अपने आहार में ऐसी चीजों को शामिल करें जो शरीर की गर्मी बनाए रखें और इम्यूनिटी बढ़ाएं। फ्रिज का ठंडा पानी और ठंडी तासीर वाले फलों से परहेज करें। इसके बजाय गुनगुना पानी, तुलसी-अदरक का काढ़ा और ताजी हरी सब्जियों का सेवन करें। विटामिन-उ से भरपूर चीजें जैसे संतरा और आंवला संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे शरीर मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रहता है।

कपड़ों के चयन में न करें जल्दबाजी

दोपहर की धूप देखकर भारी ऊनी कपड़े पूरी तरह न छोड़ें। सुबह और देर शाम की ठंडी हवा शरीर को जल्दी जकड़ लेती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि 'लेयरिंग' तकनीक अपनाएं, यानी हल्के स्वेटर या जैकेट पहनें जिन्हें जरूरत पड़ने पर उतारा जा सके। कान और छाती को ढंक कर रखने से आप ठंडी हवा के सीधे प्रभाव और जुकाम से बच सकते हैं।

स्वच्छता और शारीरिक सक्रियता है जरूरी

संक्रमण से बचने के लिए हाथों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। सार्वजनिक स्थानों से आने के बाद हाथ जरूर धोएं और भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क का प्रयोग करें। साथ ही, नियमित रूप से हल्का व्यायाम या योग करें ताकि शरीर का ब्लड सकुर्लेशन बेहतर बना रहे। पर्याप्त नींद लें, क्योंकि नींद की कमी आपकी इम्यूनिटी सिस्टम को कमजोर कर देती है, जिससे वायरस आसानी से आपको प्रभावित कर सकता है।

छोटे बदलाव, बड़े फायदे

मौसम का यह बदलाव लुभावना तो है, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही आपको हफ्तों तक बिस्तर पर डाल सकती है। अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे सुधार जैसे रात को जल्दी सोना, घर का बना ताजा भोजन करना और गुनगुने पानी का उपयोग आपको सर्दी-जुकाम से बचाए रखेंगे। ध्यान रखें सावधानी ही उपचार से बेहतर है। अपनी सेहत को प्राथमिकता दें और इस बदलते मौसम का आनंद उठाएं।

बीपी कंट्रोल करने के लिए बेहद कारगर है ये 5-स्टेप फामूर्ला, डॉक्टर ने दिया सुझाव

हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन आज के समय में एक 'साइलेंट किलर' बन चुका है। इसे साइलेंट किलर इसलिए कहा जाता है क्योंकि बीपी की समस्या दबे पांव शरीर में कई अन्य गंभीर बीमारियों को न्योता देता है, जो हृदय रोगों और स्ट्रोक का मुख्य कारण बन सकते हैं। फिटनेस विशेषज्ञ डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी के अनुसार लगभग हर ब्लड प्रेशर की समस्या असल में हमारी बिगड़ी हुई जीवनशैली से शुरू होती है। उन्होंने एक बेहद प्रभावी '5 स्टेप फॉमूर्ला' साझा किया है, जिसके नेचुरल तरीकों को अपनाकर आप महज दो हफ्तों के भीतर अपने बीपी को 10 पॉइंट तक कम कर सकते हैं। डॉक्टर का कहना है कि चाहे आप दवाइयां ले रहे हों या नहीं, यदि आप इन पांच नियमों का कड़ाई से पालन करते हैं, तो आपका बीपी नार्मल लेवल पर आ सकता है। यह फॉमूर्ला शरीर के आंतरिक सिस्टम को रीसेट करने और रक्त वाहिकाओं पर दबाव कम करने में मदद करता है। जीवनशैली में ये छोटे बदलाव भविष्य में होने वाली गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं से बचने का सबसे सरल रास्ता हैं।

स्टेप 1- नमक पर नियंत्रण

बीपी सुधारने का पहला कदम नमक (सोडियम) की मात्रा कम करना है। डॉक्टर शालिनी रोजाना 5 ग्राम से कम नमक लेने की सलाह देती हैं। चिप्स, नमकीन और पैकेज्ड फूड जैसी चीजों में अधिक नमक होता है इसलिए इससे परहेज करें।

स्टेप 2- पोटैशियम का सेवन

इसके साथ ही अपनी डाइट में पोटैशियम रिच फूड्स जैसे केला, संतरा, पालक और टमाटर बढ़ाएं। पोटैशियम शरीर से अतिरिक्त सोडियम को बाहर निकालकर धमनियों को आराम देता है, जिससे बीपी बैलेंस रहता है।

स्टेप 3- सक्रिय जीवनशैली और शारीरिक व्यायाम

सेडेंटरी लाइफस्टाइल हाई बीपी की सबसे बड़ी वजह है। डॉक्टर शालिनी के अनुसार, रोजाना 30 से 45 मिनट की एक्सरसाइज या वॉक करना अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। जितना ज्यादा आप मूवमेंट करेंगे, आपका दिल उतनी ही अच्छे से खून को पंप कर पाएगा। व्यायाम से रक्त वाहिकाओं का लचीलापन बढ़ता है, जिससे खून का प्रवाह सुचारू होता है और सिस्टोलिक व डायस्टोलिक दोनों ही प्रेशर संतुलित रहती है।

स्टेप 4- तनाव प्रबंधन

डॉक्टर शालिनी के मुताबिक मानसिक तनाव सीधे तौर पर हमारे 'स्ट्रेस हार्मोन' को एक्टिव करता है, जो बीपी को तुरंत बढ़ा देता है।

जेनेटिक्स-हार्मोन-केमिकल कलर से समय पूर्व झड़ रहे महिलाओं के बाल, आधुनिक सौंदर्य आदतें भी पड़ रही भारी

महिलाओं के बाल जिन्हें सदियों से सुंदरता, पहचान और आत्मविश्वास का प्रतीक माना गया आज वैश्विक स्तर पर एक जैविक संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार दुनिया भर में बड़ी संख्या में महिलाएं अपेक्षाकृत कम उम्र में ही गंभीर हेयर लॉस का सामना कर रही हैं। यह समस्या केवल सौंदर्य या उम्र से जुड़ी नहीं, बल्कि जेनेटिक संरचना, हार्मोनल बदलाव, पोषण, तनाव और केमिकल हेयर ट्रीटमेंट्स के संयुक्त प्रभाव का नतीजा है जिसे आधुनिक विज्ञान अब आंकड़ों और प्रयोगों के जरिए स्पष्ट रूप से समझा रहा है।

द अटलांटिस की रिपोर्ट के अनुसार बाल झड़ना एक कॉम्प्लेक्स बायोलॉजिकल फेनोमेनन है। रिपोर्ट में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) और जर्नल ऑफ इन्वेस्टिगेटिव डमेटीलॉजी में प्रकाशित शोधों का हवाला देते हुए बताया गया है कि महिलाओं में बाल झड़ने का सबसे आम स्वरूप फीमेल पैटर्न हेयर लॉस है, जिसमें बाल पूरी तरह झड़ने के बजाय धीरे-धीरे पतले होते जाते हैं। यह प्रक्रिया अक्सर वर्षों तक चलती है और शुरूआती चरणों में पहचान में भी नहीं आती।

रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं में बालों की मजबूती सीधे तौर पर एस्ट्रोजन हार्मोन से जुड़ी होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अध्ययनों का हवाला देते हुए रिपोर्ट बताती है कि एस्ट्रोजन बालों को लंबे समय तक ग्रोथ फेज में बनाए रखता है। गर्भावस्था के बाद, रजोनिवृत्ति के दौरान या हार्मोनल असंतुलन की स्थिति में जब एस्ट्रोजन घटता है, तब बड़ी संख्या में हेयर फॉलिकल्स एक साथ रेस्टिंग फेज में चले जाते हैं, जिससे अचानक तेज झड़ाव दिखाई देता है।

रिपोर्ट में जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट और अमेरिका के ब्रॉड इंस्टीट्यूट के जेनेटिक अध्ययनों का उल्लेख है। इन अध्ययनों के अनुसार महिलाओं में बाल झड़ने से जुड़े कई जीन ऐसे होते हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानांतरित होते हैं। यदि परिवार में मां या नानी को कम उम्र में बाल पतले होने की समस्या रही हो, तो अगली पीढ़ी में इसका जोखिम सांख्यिकीय रूप से कहीं अधिक पाया गया है। हालांकि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि जेनेटिक्स ट्रिगर नहीं, बल्कि प्रीडिस्पोजिशन है।असल गिरावट जीवनशैली से शुरू होती है।

हर्षित राणा की जगह टीम इंडिया में शामिल हो सकता है यह घातक गेंदबाज, बाकियों के लिए बनेगा मुसीबत

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 से पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका

लग सकता है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं। हालांकि, उनकी जगह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) एक ऐसे गेंदबाज को टीम में शामिल करने की तैयारी कर रहा है जो बाकियों के लिए मुसीबत साबित हो सकता है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि टीम प्रबंधन हर्षित की जगह मोहम्मद सिराज को टीम इंडिया में शामिल करने की तैयारी कर रहा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वॉर्म-अप मुकाबले में हर्षित को घुटने में चोट लगी थी। अब उनके टूर्नामेंट से बाहर होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्री-मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, 'उन्हें अभी टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया गया है। फिजियो उनकी जांच कर रहे हैं। लेकिन हालत ठीक नहीं लग रही है। आज तक पता चल जाएगा।' इस दौरान सूर्यकुमार ने बताया कि अगर हर्षित बाहर होते हैं तो टीम प्रबंधन की स्ट्रैटजी क्या होगी। उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि पिछले 1-2 वर्षों में किन तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है या ऐसे गेंदबाज जो बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। लेकिन अगर आप नंबर 9 से बड़े शॉट लगाने की उम्मीद कर रहे हैं, तो टॉप आठ क्या कर रहे हैं। हम सबसे अच्छे खिलाड़ी को चुनने की कोशिश करेंगे।' हर्षित राणा अब तक भारतीय टीम के लिए नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इन नौ मैचों में उन्होंने नौ विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/33 रहा है।

पहले भी मिला था सिराज को मौका

अब खबर आई है कि मोहम्मद सिराज को टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनाया जा सकता है। वह पहले भी विश्व कप 2024 के लिए चुने गए स्क्वॉड में शामिल थे, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला था। हालांकि, अब उम्मीद जताई जा रही है कि वह बुमराह के साथ भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा हो सकते हैं। सिराज ने पिछला टी20 30 जुलाई, 2024 को श्रीलंका के खिलाफ खेला था। इसके बाद से वह टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं। भारतीय टेस्ट टीम के अहम गेंदबाज सिराज ने 16 मैचों में 32.28 की औसत से 14 विकेट लिए हैं, जिसमें उनकी इकोनॉमी 7.79 और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/17 रहा है।

पाकिस्तान ने किया भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का एलान

सात फरवरी से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आठ मार्च को खेला जाएगा। इस दौरान कुल 55 मैच खेले जाएंगे। इनमें ग्रुप स्टेज के 40 मैच, सुपर-8 के 12 मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल शामिल हैं। बांग्लादेश को बाहर कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी और टूर्नामेंट का अपडेटेड शेड्यूल जारी किया। बांग्लादेश ग्रुप सी में था और स्कॉटलैंड को ग्रुप सी में रखा गया। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले क्रिकेट के इस महाकुंभ में कई हाईवोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे। हालांकि, पाकिस्तान ने 15 फरवरी को टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबले से पीछे हटने का फैसला किया। उस दिन भारत और पाकिस्तान का मैच कोलंबो में होना था, लेकिन पीसीबी ने इस मैच के बहिष्कार का एलान किया।

आठ देशों में यूपीआई सेवाओं का बज रहा डंका, 23 देशों से करार और जनवरी में लेनदेन का रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत का 'डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर' (डीपीआई) अब केवल सफलता की घरेलू कहानी नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक कूटनीति और तकनीक के

क्षेत्र में नेतृत्व का एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है। सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फ्रांस और सिंगापुर सहित आठ से अधिक देशों में लाइव हो चुका है। इसके साथ ही, भारत ने अपने 'इंडिया स्टैक' और डीपीआई मॉडल को साझा करने के लिए दुनिया के 23 देशों के साथ समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)
सिंगापुर
भूटान
नेपाल
श्रीलंका
फ्रांस
मॉरीशस
कतर

राज्य मंत्री ने बताया कि यूपीआई के इस बढ़ते अंतरराष्ट्रीय प्रसार से न केवल रेमिटेंस को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि यह वित्तीय समावेशन को भी प्रोत्साहित कर रहा है। यह कदम भारत को वैश्विक डिजिटल भुगतान बाजार में एक लीडर के रूप में स्थापित कर रहा है।

23 देशों के साथ रणनीतिक समझौते

सरकार ने 'इंडिया स्टैक' ढांचे के तहत डीपीआई को अपनाने और इसे दोहराने के लिए 23 देशों के साथ समझौतों या एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। जितिन प्रसाद ने स्पष्ट किया कि ये समझौते भारत की व्यापक 'डीपीआई कूटनीति' के अनुरूप हैं।

इन समझौतों का मुख्य फोकस निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग पर है:
डिजिटल पहचान
डिजिटल भुगतान
डेटा एक्सचेंज
सेवा वितरण प्लेटफॉर्म

विशेष रूप से, 'डिजिलॉकर' के लिए क्यूबा, केन्या, यूएई और लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक के साथ एमओयू साइन किए गए हैं।

इंडिया स्टैक ग्लोबल और जी20 की विरासत

सरकार ने भारत के डीपीआई की सफलता को वैश्विक स्तर पर साझा करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। 'इंडिया स्टैक ग्लोबल' पोर्टल के माध्यम से 18 प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया गया है ताकि मित्र देश उन्हें अपना सकें।

इसके अलावा, भारत की जी20 अध्यक्षता (2023) के दौरान लॉन्च किया गया 'ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी' एक वैश्विक ज्ञान मंच के रूप में कार्य कर रहा है। मंत्री ने बताया कि भारत इस रिपॉजिटरी में डीपीआई समाधानों का सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। प्रमुख डीपीआई और डिजिटल समाधानों में आधार, यूपीआई, कोविन, एपीआई सेतु, डिजिलॉकर, आरोग्य सेतु, जीईएम, उमंग, दीक्षा, ई-संजीवनी और पीएम गतिशक्ति शामिल हैं।

जनवरी में यूपीआई ने तोड़े रिकॉर्ड

घरेलू मोर्चे पर भी यूपीआई की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी महीने में यूपीआई ट्रांजैक्शन में जबरदस्त उछाल देखा गया है:

संसद में पेश किए गए ये आंकड़े और जनवरी का प्रदर्शन यह बताते हैं कि भारत का डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर अब वैश्विक मानकों को परिभाषित कर रहा है। जहाँ एक तरफ यूपीआई घरेलू अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गया है, वहीं दूसरी तरफ यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की 'सॉफ्ट पावर' का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया को झटका, हेजलवुड बाहर; पहली बार 'बिग थ्री' के बिना उतरेगी कंगारू टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत से ठीक एक दिन

टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ीं

पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। इससे पहले टीम के नियमित कप्तान और स्टार पेसर पैट कमिंस भी पीठ की चोट के चलते विश्व कप से हट चुके थे। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में अपने मशहूर 'बिग थ्री' पेस अटैक के बिना मैदान में उतरेगा। मिचेल स्टार्क पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कह चुके हैं।

हेजलवुड की वापसी की उम्मीद भी टूटी

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने शुक्रवार, 6 फरवरी को इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि टीम प्रबंधन को उम्मीद थी कि हेजलवुड सुपर-8 चरण तक फिट हो जाएंगे, लेकिन मेडिकल रिपोर्ट्स ने सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। डोडेमाइड ने कहा, 'हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 तक मैच फिट हो जाएंगे, लेकिन ताजा संकेत यही हैं कि उन्हें अभी और समय लगेगा। उनकी रिकवरी को तेज करना बहुत जोखिम भरा हो सकता है।'

फिलहाल नहीं होगा किसी खिलाड़ी का रिप्लेसमेंट

ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति ने यह भी साफ किया कि फिलहाल किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा। टीम मैनेजमेंट शुरूआती मुकाबलों के लिए मौजूदा स्क्वॉड को ही पर्याप्त मान रहा है। डोडेमाइड ने आगे कहा, 'हम अभी किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी का ऐलान नहीं कर रहे हैं। शुरूआती मैचों के लिए टीम संतुलित है और जरूरत पड़ने पर बाद में फैसला लिया जाएगा।'

"बिग थ्री" युग का अंत?

हेजलवुड और कमिंस के बाहर होने के साथ ही मिचेल स्टार्क पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में यह पहला मौका होगा जब ऑस्ट्रेलिया किसी विश्व कप में कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड, तीनों के बिना खेलेगा। यह बदलाव टीम की गेंदबाजी रणनीति पर बड़ा असर डाल सकता है।

ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी पर बढ़ेगा दबाव

अब जिम्मेदारी नेथन एलिस, बेन ड्वार्शुइस, जेवियर बार्टलेट और ऑलराउंडर्स पर होगी। वहीं एडम जम्पा स्पिन विभाग की अगुवाई करेंगे। तेज गेंदबाजी में अनुभव की कमी ऑस्ट्रेलिया के लिए चुनौती बन सकती है। ऑस्ट्रेलिया का टी20 विश्व कप 2026 स्क्वॉडः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, कैमरन ग्रीन, नेथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमान, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

आरसीबी पर हुई पैसों की बारिश, दिल्ली को मिले 3 करोड़; मंधाना और सोफी डिवाइन का रहा जलवा

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 सिर्फ क्रिकेट का उत्सव नहीं, बल्कि पैसों और अवॉर्ड्स का भी उत्सव साबित हुआ। स्मृति मंधाना की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेमिमा रॉड्रिग्स की दिल्ली कैपिटल्स को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही आरसीबी खिलाड़ियों और टीम स्टाफ पर पुरस्कारों की बारिश भी हुई। वहीं, रनर अप बनी दिल्ली कैपिटल्स को भी तीन करोड़ रुपये का सम्मान मिला।

फाइनल की झलकियां

पहले बल्लेबाजी करने वाली दिल्ली टीम के लिए लिजेल ली ने 30 गेंद में 37 रन और शेफाली वर्मा ने 13 गेंद में 20 रन की पारी खेली। वोल्वार्ड्ट ने 25 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 44 रन बनाए। इसके अलावा कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स ने 37 गेंद में आठ चौके की मदद से 57 रन की पारी खेली। चिनेल हेनरी 15 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 35 रन की नाबाद तूफानी पारी खेली। दिल्ली ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 203 रन बनाए। आरसीबी की ओर से लॉरेन बेल ने चार ओवर में केवल 19 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। सयाली सतघरे, अरुंधति रेड्डी और नदिन डी क्लर्क को एक-एक विकेट मिला। जवाब में आरसीबी को नौ रन पर पहला झटका लगा था। शानदार फॉर्म में चल रहीं ग्रेस हैरिस नौ रन बनाकर आउट हो गई थीं। इसके बाद कप्तान मंधाना और जॉर्जिया वॉल ने 92 गेंद में 165 रन की विजयी साझेदारी की। वॉल ने 54 गेंद में 14 चौके की मदद से 79 रन की पारी खेली। ऋचा घोष छह रन बनाकर आउट हुईं। नदिन सात रन और राधा 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। आरसीबी ने 19.4 ओवर में लक्ष्य हासिल किया।

हार के बाद रोने लगीं जेमिमा तो मंधाना ने इस तरह हंसाया और दिया हौसला, कैमरे में कैद हुआ यह क्यूट पल

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने महिला प्रीमियर लीग 2026 का खिताब जीत लिया है। फाइनल में उसने दिल्ली को छह विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने 20 ओवर में चार विकेट पर 203 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, लेकिन आरसीबी ने 19.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह हार दिल्ली के लिए दिल तोड़ देने वाला रहा, क्योंकि टीम को लगातार चौथे सीजन में फाइनल में हार मिली। इस हार के बाद दिल्ली की कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स रोने लगीं। इसके बाद आरसीबी की कप्तान और जेमिमा की खास दोस्त स्मृति मंधाना उनके पास आईं और गले लगाकर उन्हें हौसला दिया और उन्हें हंसाया भी। यह क्यूट पल कैमरे में कैद हो गया। दरअसल, जेमिमा पिछले चारों सीजन में दिल्ली की टीम का हिस्सा रहीं। पिछले तीन सीजन तो वह बतौर खिलाड़ी खेलीं, क्योंकि मेग लैनिंग कप्तान थीं, लेकिन इस सीजन मेग लैनिंग के यूपी में जाने पर उन्हें कप्तान बनाया गया। हालांकि, दिल्ली की किस्मत नहीं बदली। स्कोरबोर्ड पर विशाल स्कोर लगाने के बावजूद उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद जेमिमा भावुक दिखीं। उन्हें बार बार आंसू पोछते देखा गया। इसके बाद जेमिमा के पास मंधाना पहुंचीं।

संक्षिप्त समाचार

मेयर की गाड़ी के सामने लेटे प्रदर्शनकारी, बोले, बाबा साहब की होर्डिंग तोड़ी गई

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने नगर निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। मौके पर मेयर सुषमा खर्कवाल नगर निगम से अपनी गाड़ी से निकल रही थीं। तभी कार्यकताओं ने उन्हें घेर लिया। उनकी गाड़ी के सामने लेट गए और निगम मुख्यालय से निकलने नहीं दिया। इस दौरान मेयर नगर निगम से निकल नहीं पाईं। आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं का कहना है कि सीतापुर रोड स्थित डॉ. आंबेडकर की होर्डिंग तोड़ी गई। इससे नाराजगी है। मौके पर पार्टी के कार्यकर्ता मेयर सुषमा खर्कवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

आवारा कुत्तों से निजात दिलाएंगे शेल्टर होम व एबीसी सेंटर

- डॉग बाइट की घटनाओं पर योगी सरकार गंभीर
- शेल्टर होम्स के लिए अलग डीपीआर तैयार, प्रति यूनिट 470 से 531 लाख रुपये तक लागत आने का अनुमान

लखनऊ (संवाददाता)। आवारा कुत्तों की समस्या और डॉग बाइट की बढ़ती घटनाओं को योगी सरकार ने गंभीरता से लिया है। जन सुरक्षा से जुड़े इस मुद्दे पर सख्त व ठोस कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार ने नगर निगमों एवं जनपद मुख्यालयों पर डॉग शेल्टर होम व एनिमल बर्थ कंट्रोल एबीसी सेंटर की स्थापना प्रक्रिया तेज कर दी है। शासन स्तर पर इसे प्राथमिकता देते हुए भूमि चिह्नीकरण, बजट निर्धारण और परियोजना स्वीकृति की कार्रवाही एक साथ आगे बढ़ाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में गाइडलाइंस जारी की थीं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान मानवीय, वैज्ञानिक व स्थायी तरीके से किया जाए। सरकार का मानना है कि डॉग शेल्टर होम और एबीसी सेंटर की प्रभावी व्यवस्था से जहां एक ओर आमजन की सुरक्षा होगी, दूसरी ओर पशु कल्याण को भी मजबूती मिलेगी। नगर निगम क्षेत्रों में पहले से संचालित अथवा प्रस्तावित एबीसी सेंटरों के साथ ही डॉग शेल्टर होम विकसित किए जाएंगे। प्रत्येक नगर निगम को निर्देशित किया गया है कि वह उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराए और आवश्यक प्रशासनिक औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण करे। शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह पूरी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस व पशु कल्याण से जुड़े मानकों के अनुरूप की जा रही है।योगी सरकार ने डॉग शेल्टर होम के लिए अलग से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार प्रति शेल्टर होम 470 लाख रुपये से लेकर 531 लाख रुपये तक लागत आने का अनुमान है। डीपीआर में शेल्टर होम की क्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर, पशु चिकित्सा सुविधाएं, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती जैसे सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया है। शासन स्तर पर इन डीपीआर को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी गई है और अब सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अनुरूप अगले चरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रयागराज नगर निगम क्षेत्र में ग्राम मऊर उपरहट, तहसील सोरांव में डॉग शेल्टर होम के लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। लखनऊ नगर निगम में भूमि की उपलब्धता को लेकर कार्यकारिणी बोर्ड से प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। अन्य नगर निगमों से भी सूचना प्राप्त की जा रही है ताकि पूरे प्रदेश में एक समान व्यवस्था लागू की जा सके।जनपद मुख्यालयों पर एबीसी सेंटर एवं शेल्टर होम की स्थापना को लेकर तेजी से कार्यवाही की जा रही है। ललितपुर में 12.182 हेक्टेयर, हरदोई में 0.2 हेक्टेयर, बुलंदशहर में 2000 वर्ग मीटर तथा फतेहपुर में 0.769 हेक्टेयर भूमि एबीसी सेंटर एवं डॉग शेल्टर होम के लिए चिह्नित कर ली गई है। शेष जनपदों से सूचनाएं प्राप्त होते ही वहां भी भूमि चिह्नीकरण और परियोजना स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त राज्य कर को व्यापारी प्रतिनिधि मण्डल का ज्ञापन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश वैश्य-व्यापारी महासभा का एक प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव राज्य कर कामिनी चैहान एवं आयुक्त राज्य कर नितिन बंसल के प्रातः 11 बजे राज्य कर प्रशिक्षण संस्थान, विभूति खण्ड गोमती नगर लखनऊ में मुलाकात कर अपना सात सूत्रीय मांग-पत्र ज्ञापन सौंपा। सभी सातों बिन्दुओं पर बिन्दुवार विस्तृत रूप से चर्चा हुई और उक्त अधिकारियों ने शीघ्र समाधान हेतु आश्वासन दिया। ज्ञापन में कोरोना-2019 काल वर्ष 2020, 2021, 2022, 2023 में सभी प्रतिष्ठान संस्थान बन्द रहे इस अवधि का प्रकरण विभाग में लम्बित है उक्त अवधि का राज्य कर पूर्णतया कर-मुक्त घोषित जाने की मांग रखी गई। प्रतिनिधि मण्डल और प्रमुख सचिव राज्य कर श्रीमती कामिनी चैहान एवं आयुक्त राज्य कर नितिन बंसल के साथ वार्ता सार्थक रही और शीघ्र समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया। प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से सत्य प्रकाश गुलहरे, प्रदेश अध्यक्ष, राजेश चन्द्र अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दीपक अग्रवाल पार्थ क्षेत्रीय अध्यक्ष, अनुज रस्तोगी महामंत्री युवा उ.प्र., श्रीमती ममता गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष महिला, दीपक साहू प्रदेश मंत्री युवा उ.प्र., अर्चिन अरोड़ा आदि लोग उपस्थित रहे। ज्ञापन में सात सूत्रीय मांगों में अपरिहार्य कारणों से नियमित रूप से शुल्क देने वाले व्यापारियों द्वारा अचानक किसी कारण से विलम्ब से शुल्क दिये जाने पर लिया जाने वाला अर्थदण्ड माफ करने, पंजीकृत व्यापारियों का 50 लाख का स्वास्थ बीमा, छोटे दूकानदारों का न्यूनतम धनराशि में पंजीकरण, उन्हें बीस लाख तक का स्वास्थ बीमा, 60 लाख दुघर्टना बीमा एवं 60 वर्ष की आयु पर दस हजार रूप मासिक जीवन निर्वहन भत्ता दिए जाने की मांग की गई है।

नगर निगम मुख्यालय निर्माण में बाधा पर महापौर की चीफ को फटकार

लखनऊ (संवाददाता)। शहर में गोमती नगर स्थित नगर निगम वर्कशॉप (आरआर) स्थित निमार्णाधीन नगर निगम मुख्यालय के नवीन भवन के कार्यों में हो रही देरी और बाधाओं को लेकर शुक्रवार सुबह महापौर सुषमा खर्कवाल ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में अवरोध बने पेट्रोल पंप को अब तक स्थानांतरित न किए जाने पर चीफ इंजीनियर आरआर मनोज प्रभात को कड़ी फटकार लगाई। इस मौके पर नगर आयुक्त गौरव कुमार भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण स्थल की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से प्रगति की जानकारी ली।

योगी मंत्रिमंडल विस्तार से पहले हो सकता यूपी भाजपा में बड़ा बदलाव

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अपने मोर्चों को अभेद्य बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। योगी मंत्रिमंडल विस्तार से पहले पार्टी के संगठन में व्यापक बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है।माना जा रहा है कि अगले एक माह के भीतर जिला कमेटियों के गठन से लेकर क्षेत्रीय अध्यक्षों के नामों और प्रदेश की नई टीम की घोषणा कर दी जाएगी। विभिन्न आयोगों, निगमों और बोर्डों के खाली पड़े पदों पर भी नियुक्तियों की प्रक्रिया तेज हो गई है।विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने से पहले भगवा खेमा सांगठनिक ढांचे को पूरी तरह दुरुस्त करना चाहता है। प्रदेश में भाजपा के कुल 98 संगठनात्मक जिले हैं, जिनमें से अभी 84 जिलों में ही अध्यक्षों की घोषणा हुई है। शेष 14 जिलों में जल्द ही नए चेहरों की ताजपोशी होगी।पहले संगठन विस्तार का काम शुरू किया गया था, लेकिन मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य के चलते इसे रोक दिया गया था। अब एसआईआर का काम पूरा होते ही नई नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया है। ज्यादा चर्चा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चैधरी की नई टीम को लेकर है। पूर्व अध्यक्षों के कार्यकाल में टीम में व्यापक बदलाव नहीं हुए थे, केवल चेहरों को एक पद से दूसरे पद पर स्थानांतरित किया गया था। लेकिन इस बार चर्चा है कि प्रदेश टीम में कई नए और युवा चेहरों को जगह मिलेगी। संगठन के साथ सरकार में भी बदलाव की तैयारी है। योगी कैबिनेट में फेरबदल का काम मार्च में किया जा सकता है। कैबिनेट विस्तार के जरिए क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश होगी। इस संभावित फेरबदल को लेकर लखनऊ के गलियारों में दावेदारों की सक्रियता बढ़ गई है। जहां नए नेता मंत्री पद के लिए लॉबिंग कर रहे हैं, वहीं मौजूदा मंत्रियों ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए कवायद तेज कर दी है।इन बदलावों को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चैधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के बीच लखनऊ में लंबी मंत्रणा हो चुकी है। हाल ही में दोनों नेताओं ने दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व के साथ भी अहम बैठक की है। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि 2027 की लड़ाई के लिए टीम ऐसी हो जो न केवल अनुभवी हो, बल्कि जिसमें भविष्य की चुनौतियों से निपटने का उत्साह भी हो।

यमुना एक्सप्रेसवे पर तेजी से आकार ले रहा टॉय पार्क, 154 में 143 प्लॉट आवंटित

- ड्रीम डेस्टिनेशन यूपीरू सरकार की औद्योगिक नीति से निवेशकों का बढ़ा भरोसा
- यीडा के औद्योगिक सेक्टर-33 में विकसित हो रहा टॉय पार्क, निवेश और निर्माण दोनों में आई रफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की औद्योगिक विकास नीति का असर अब यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक क्षेत्र में साफ दिखाई देने लगा है। औद्योगिक सेक्टर-33 में विकसित किए जा रहे टॉय पार्क में निवेश और निर्माण दोनों ही स्तर पर तेज प्रगति दर्ज की गई है। प्राधिकरण द्वारा टॉय पार्क के लिए आरक्षित 100 एकड़ भूमि पर 154 औद्योगिक भूखंड नियोजित किए गए हैं, जिनमें से 143 भूखंडों का आवंटन पूरा हो चुका है। आंकड़े प्रदेश में औद्योगिक निवेश को लेकर निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दशार्ते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का फोकस स्पष्ट है कि औद्योगिक परियोजनाओं को केवल मंजूरी तक सीमित न रखते हुए उनका समय पर क्रियान्वित सुनिश्चित करना। यमुना एक्सप्रेसवे पर विकसित हो रहा टॉय पार्क इसी नीति का उदाहरण बनकर उभर रहा है। पारदर्शी आवंटन, तेज लीज प्रक्रिया और निर्माण गतिविधियों के चलते उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण यीडा की ताजा प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, टॉय पार्क के अंतर्गत 143 आवंटित भूखंडों में से 124 निवेशकों द्वारा लीज प्लान प्रस्तुत किए जा चुके हैं, जबकि 19 मामलों में लीज प्लान अभी प्राप्त नहीं हुए हैं। इन निवेशकों को एक माह के भीतर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। अब तक 120 आवंटियों को चेकलिस्ट जारी की जा चुकी है और 4 मामलों में चेकलिस्ट जारी करने की प्रक्रिया प्रगति पर है।भूमि हस्तांतरण के स्तर पर भी टॉय पार्क परियोजना ने ठोस रफ्तार पकड़ी है। अब तक 108 निवेशकों के पक्ष में लीज डीड का निष्पादन पूरा किया जा चुका है, जबकि 76 निवेशकों को विधिवत पजेशन भी प्रदान कर दिया गया है। परियोजना अब केवल फाइलों में नहीं, बल्कि जमीनी निर्माण की दिशा में आगे बढ़ चुकी है।निर्माण गतिविधियों की बात करें तो 15 निवेशकों के भवन मानचित्र स्वीकृत हो चुके हैं, जबकि 4 औद्योगिक इकाइयों में निर्माण कार्य की शुरूआत भी हो गई है।

इसे टॉय पार्क के वास्तविक रूप लेने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। योगी सरकार का जोर है कि आवंटन के साथ-साथ परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतरें, जिससे रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिल सके। टॉय पार्क के दूसरे चरण के अंतर्गत कुल 11 भूखंडों में से 4 भूखंडों की भूमि उपलब्ध हो चुकी है, जिन्हें नई योजना के तहत प्रकाशित किया गया है। शेष 7 भूखंड, जिनका कुल क्षेत्रफल 6.71 एकड़ है, अभी आवंटन से शेष हैं।

सेवानिवृत्त कर अधीक्षक के एक मकान पर 2 हाउस टैक्स

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम के सेवानिवृत्त कर अधीक्षक के एक मकान पर 2 हाउस टैक्स लग रहा है। इस वजह से उन्हें हाउस टैक्स के 2 बिल मिल रहे हैं। निगम की दुकान का किराया 20 गुना तक बढ़ा दिया गया है। दिवंगत व्यक्ति की बहन ने उनका घर अपने नाम करा लिया है। कॉलोनी में 20 साल से सड़क नहीं बनी है। ये सभी मामले शुक्रवार, 6 फरवरी को नगर निगम के संपूर्ण समाधान दिवस में सामने आए। बड़ी संख्या में लोग समस्याएं लेकर पहुंचे। सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड की अवध विहार कॉलोनी के लोगों ने जलभराव को लेकर नगर निगम और पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाए। कई फरियादी सड़क न बनने की भी समस्या लेकर पहुंचे। कुछ लोग दुकान का किराया 20 गुना तक बढ़ने की समस्या बताई। पुरनिया का एक युवक अपनी बुआ के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचा। उसका आरोप है कि बुआ ने जोन-3 के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके मेरे पिता का घर अपने नाम करा लिया है। जांच और कार्रवाई होनी चाहिए। नगर निगम में संपूर्ण समाधान दिवस पर 268 लोग ऐसे पहुंचे जिन्हें रजिस्ट्रेशन कराया और उनके पास अपनी शिकायतों के दस्तावेज थे। कई ऐसे लोग भी पहुंचे जो बिना कागज के थे। जोन-3 के पुरनिया से आकाश अपनी बुआ के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचे। उनका कहना है कि पिताजी की मृत्यु के बाद बुआ ने हमारा घर अपने नाम करा लिया। अब हमें उस पर हक नहीं मिल पा रहा है।

कानूनी पचड़े में फसीं घूसखोर पंडत, लखनऊ में डायरेक्टर समेत टीम पर एफआईआर दर्ज

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने फिल्म घूसखोर पंडत के निदेशक और उनकी टीम के खिलाफ एक जाति विशेष को अपमानित करने और वैमनस्यता फैलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हजरतगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विक्रम सिंह ने बृहस्पतिवार को खुद यह प्राथमिकी दर्ज कराई। विक्रम सिंह ने शुक्रवार को कहा कि यह फिल्म समाज में वैमनस्यता बढ़ाने और एक जाति विशेष को अपमानित करने का कारण बन रही है, इसलिए प्राथमिकी दर्ज करानी पड़ी। पुलिस के मुताबिक, फिल्म का नाम और इसकी कहानी एक खास जाति और समुदाय, खासकर ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से दिखाती है। इससे लोगों में नाराजगी फैल सकती है और कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा है। यह प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 (धर्म, जाति और भाषा के आधार पर वैमनस्यता को बढ़ावा देना), 299 (जानबूझकर द्वेषपूर्ण तरीके से किसी वर्ग की भावनाओं को आहत करना), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान), 353 (सार्वजनिक उपद्रव से संबंधित) और सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन अधिनियम की धारा 66 के तहत दर्ज की गई है।

सेमीफाइनल मुकाबला: नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी को 64 रनों से हराकर फाइनल में बनाई जगह

गोरखपुर के एन.ई. रेलवे ग्राउंड पर हॉक स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित राजेश कुमार श्रीवास्तव मेमोरियल अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 3 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी को बड़े अंतर से पराजित किया। 35 ओवर के इस सीमित ओवरों के मैच में गेंद और बल्ले दोनों से नीना थापा क्रिकेट एकेडमी का दबदबा साफ नजर आया।

पहली पारी: नीना थापा क्रिकेट एकेडमी-156/8 (35 ओवर)

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नीना थापा क्रिकेट एकेडमी की शुरूआत संभली हुई रही। सलामी बल्लेबाज प्रतिक कुमार ने 55 गेंदों में 31 रन बनाकर टीम को स्थिरता दी। हालांकि दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे, लेकिन कप्तान आर्यन निषाद ने शानदार संयम और तकनीक का परिचय देते हुए नाबाद 59 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। मध्यक्रम में अमन यादव ने 18 रन और ऋषभ शर्मा ने 7 रन का योगदान दिया। निचले क्रम में कुछ तेज रन आए, जिससे टीम 35 ओवरों में 8 विकेट खोकर 156 रन तक पहुंच सकी। अतिरिक्त रनों के रूप में 23 रन मिले, जो इस स्कोर को मजबूत बनाने में अहम साबित हुए। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी की ओर से नैतिक गुप्ता ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट झटके। शिवांश पांडेय और शशांक गौतम को भी एक-एक सफलता मिली, लेकिन कुल मिलाकर गेंदबाज विपक्षी बल्लेबाजों को बड़े स्कोर से रोक नहीं सके।

दूसरी पारी: लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी-92/10 (30.2 ओवर)

157 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी की शुरूआत बेहद कमजोर रही। शुरूआती ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। विशाल यादव, शुबहम यादव और रोहन कन्नोजिया सस्ते में आउट हो गए। हालांकि अविरल राठौर ने 36 गेंदों में 14 रन और रोहन कन्नोजिया ने संघर्ष करते हुए 55 गेंदों में 14 रन बनाए, लेकिन कोई भी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सका। मध्यक्रम पूरी तरह बिखर गया और पूरी टीम 30.2 ओवर में मात्र 92 रन पर सिमट गई। नीना थापा क्रिकेट एकेडमी की गेंदबाजी बेहद प्रभावशाली रही। अरुष कुमार और शौर्य पांडेय ने कसी हुई लाइन-लेंथ के साथ विकेट झटके, जबकि शिवाजी राव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 23 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। उनकी घातक गेंदबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया।

मैच का नायक

बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज शिवाजी राव को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्व चुना गया। चार महत्वपूर्ण विकेट लेकर उन्होंने लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

निष्कर्ष

इस सेमीफाइनल मुकाबले में नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने हर विभाग में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी से रन बनाए और गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी से विपक्षी टीम को पूरी तरह रोक दिया। 64 रन की बड़ी जीत के साथ टीम ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जहां अब उनसे खिताबी मुकाबले में भी ऐसे ही दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी।

गुरुकुल एनलाइटेन्ड पब्लिक स्कूल में 9 फरवरी को होगा वार्षिक प्रस्तुति समारोह

गोरखपुर। गोरखनाथ क्षेत्र स्थित गुरुकुल एनलाइटेन्ड पब्लिक स्कूल में सोमवार, 9 फरवरी 2026 को विद्यालय परिसर में वार्षिक प्रस्तुति समारोह (Annual Presentation)

का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सायं 5:00 बजे से 7:00 बजे तक संपन्न होगा, जिसमें कक्षा श्क्क से कक्क तक के छात्र-छात्राएं अपनी शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक बलराम सिंह करेंगे। इस अवसर पर उनके पिता श्री इंदर सिंह एवं माता श्रीमती आशा देवी की विशेष उपस्थिति रहेगी। साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य शंखधर शुक्ला एवं उप प्रधानाचार्य श्रीमती सीमा विजेता भी समारोह में उपस्थित रहेंगे। विद्यालय प्रबंधन की ओर से अभिभावकों को सादर आमंत्रित किया गया है। साथ ही विनम्र अनुरोध किया गया है कि प्रत्येक विद्यार्थी के साथ केवल दो अभिभावक ही कार्यक्रम में उपस्थित हों, ताकि आयोजन सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। यह वार्षिक प्रस्तुति समारोह विद्यार्थियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता को मंच प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

पूर्वांचल को मिले सदियों पुरानी अलग पहचान को मिले संवैधानिक मान्यता

- चंद्रभान निषाद का राष्ट्रपति, पीएम मोदी, अमित शाह और योगी से पूर्वांचल राज्य बनाने का आग्रह
- पूर्वांचल राज्य की मांग क्यों है अति आवश्यक? फिशरमैन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रभान निषाद की अपील

पवन कुमार गुप्ता

गोरखपुर। पूर्वांचल क्षेत्र, जो उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में फैला हुआ है, सदियों से अपनी अलग सांस्कृतिक, भाषाई और आर्थिक पहचान रखता आया है। गोरखपुर, आजमगढ़, देवरिया, कुशीनगर, मऊ, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिजार्पुर, सोनभद्र, भदोही, जौनपुर, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, बस्ती, सिद्धार्थनगर और श्रावस्ती जैसे जिलों को मिलाकर बने इस क्षेत्र की जनता लंबे समय से पूर्वांचल राज्य की मांग कर रही है। फिशरमैन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चंद्रभान निषाद ने माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, गृह मंत्री अमित शाह जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से आग्रह किया है कि पूर्वांचल को पूर्ण राज्य का दर्जा देकर इसकी जनता को उनके हक और अधिकार दिलाए जाएं। पूर्वांचल की सदियों पुरानी अलग पहचान को सम्मान देते हुए इसकी स्थापना जल्द होनी चाहिए, क्योंकि यह न केवल विकास की गति बढ़ाएगी बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन को भी दूर करेगी। पूर्वांचल का इतिहास प्राचीन काल से ही बौद्ध और जैन संस्कृति का केंद्र रहा है। भगवान बुद्ध के निर्वाण स्थल कुशीनगर से लेकर भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या तक, यह क्षेत्र सांस्कृतिक धरोहरों से भरा पड़ा है। पूर्वांचल राज्य की मांग का आधार यही है कि यह क्षेत्र भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी बोलियों का गढ़ है, जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हिंदी से भिन्न है। ब्रिटिश काल में पूर्वांचल को अलग प्रशासनिक इकाई के रूप में देखा जाता था, लेकिन स्वतंत्र भारत में इसे मुख्य उत्तर प्रदेश में विलय कर दिया गया। नतीजा? विकास का असमान वितरण। आज पूर्वांचल के लोग गरीबी, बेरोजगारी और बाढ़ जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। चंद्रभान निषाद जैसे नेताओं का मानना है कि पूर्वांचल अलग राज्य बनने से स्थानीय मुद्दों पर फोकस बढ़ेगा, जैसे गंगा-गोमती बाढ़ नियंत्रण और मत्स्य पालन उद्योग का विकास। फिशरमैन आर्मी जैसे संगठन नदी-किनारे बसे निषाद समाज की आवाज उठा रहे हैं, जो पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

आर्थिक पिछड़ापन और विकास की बाधाएं: पूर्वांचल राज्य गठन से समाधान

उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल सबसे गरीब क्षेत्र है। यहां प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से 30% कम है। पूर्वांचल राज्य बनाओ की मांग इसलिए मजबूत है क्योंकि लखनऊ-आगरा केंद्रित विकास पूर्वांचल को उपेक्षित रखता है। गोरखपुर मंडल में औद्योगिकरण नाममात्र का है, जबकि चाइना बॉर्डर पर स्थित सोनभद्र में कोयला और हीरा भंडार बेकार पड़े हैं। पूर्वांचल राज्य की स्थापना से स्थानीय सरकार गठन होगा, जो पर्यटन (बौद्ध सर्किट), कृषि (धान-गन्ना) और मत्स्य उद्योग को बढ़ावा देगी। चंद्रभान निषाद ने कहा, "पूर्वांचल की जनता को उनके हक और अधिकार मिलने चाहिए।" राज्य गठन से रोजगार सृजन होगा, प्रवासन रुकेगा और जीडीपी में योगदान बढ़ेगा। झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे नए राज्यों ने साबित किया है कि क्षेत्रीय राज्य विकास का रोडमैप हैं।

राजनीतिक अपील: राष्ट्रपति से पीएम तक, पूर्वांचल राज्य के लिए एकजुट आवाज

चंद्रभान निषाद, फिशरमैन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, ने माननीय राष्ट्रपति महोदया से अपील की है कि संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत पूर्वांचल को राज्य का दर्जा दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से आग्रह है कि पूर्वांचल को पूर्वोत्तर राज्यों की तरह विशेष पैकेज दें। गृह मंत्री अमित शाह जी से राज्य पुनर्गठन आयोग गठित करने की मांग है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, जो स्वयं गोरखपुर से हैं, पूर्वांचल के दर्द को समझते हैं। योगी सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे बनाया, लेकिन पूर्ण राज्य ही स्थायी समाधान है। पूर्वांचल की 10 करोड़ जनता भाजपा को समर्थन देगी यदि उनकी मांग पूरी हो। यह मांग विपक्ष से परे है—सपा, बसपा सभी ने कभी न कभी समर्थन दिया।

पूर्वांचल राज्य गठन के फायदे

जनता के हक और अधिकारों की रक्षापूर्वांचल अलग राज्य बनने से स्थानीय भाषा में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी। निषाद, यादव, कुर्मी जैसे समुदायों को आरक्षण और योजनाओं का लाभ सीधा मिलेगा। पर्यावरणीय मुद्दे जैसे गंगा सफाई पर फोकस बढ़ेगा। चंद्रभान निषाद की अगुवाई में फिशरमैन आर्मी ने हजारों हस्ताक्षर जुटाए हैं। यह आंदोलन शांतिपूर्ण है लेकिन दृढ़। केंद्र सरकार को अवसर है कि पूर्वांचल को राज्य का दर्जा देकर एकता का संदेश दे।

Semi-Final Clash: Neena Thapa Cricket Academy Defeats Lakshya Cricket Academy by 64 Runs, Enters Final

Gorakhpur.

In the first semi-final of the Rajesh Kumar Shrivastava Memorial Under-16 Cricket Tournament (Season 3), organized by Hawk Sports at the N.E. Railway Cricket Ground, Neena Thapa Cricket Academy delivered a dominant performance to defeat Lakshya Cricket Academy by 64 runs and secure a place in the final."The 35-over limited-overs match witnessed Neena Thapa Cricket Academy's clear supremacy with both bat and ball."First Innings: Neena Thapa Cricket Academy – 156/8 (35 Overs)"After winning the toss and opting to bat first, Neena Thapa Cricket Academy got off to a steady start. Opening batsman Pratik Kumar scored a composed 31 runs off 55 balls, providing stability at the top. Despite wickets falling at regular intervals from the other end, skipper Aryan Nishad anchored the innings brilliantly with an unbeaten 59-run knock, displaying excellent temperament and technique."In the middle order, Aman Yadav contributed 18 runs, while Rishabh Sharma added 7. Late-order contributions and 23 extra runs helped the team post a competitive total of 156 runs for the loss of 8 wickets."For Lakshya Cricket Academy, Naitik Gupta impressed with the ball, picking up 2 wickets for 18 runs in 4 overs. Shivansh Pandey and Shashank Gautam claimed one wicket each.

Second Innings: Lakshya Cricket Academy – 92 All Out (30.2 Overs)"Chasing a target of 157, Lakshya Cricket Academy had a disastrous start as early wickets put them under immense pressure. Vishal Yadav, Shubham Yadav, and Rohan Kannojiya were dismissed cheaply. Though Aviral Rathore scored 14 runs off 36 balls and Rohan Kannojiya fought briefly with

14 runs off 55 deliveries, no meaningful partnership could be built."The batting lineup collapsed, and Lakshya Cricket Academy was bowled out for 92 runs in 30.2 overs.""Neena Thapa Cricket Academy's bowling attack was highly disciplined. Arush Kumar and Shaurya Pandey bowled tight spells, while Shivaji Rao produced a match-winning performance, claiming 4 wickets for 23 runs in 7 overs, turning the game decisively in his team's favor.

Player of the Match

Left-arm spinner Shivaji Rao was adjudged Player of the Match for his outstanding bowling performance, which shattered Lakshya Cricket Academy's hopes and played a key role in guiding his team into the final.

Purvanchal's centuries-old distinct identity should receive constitutional recognition

- **Chandrabhan Nishad urges the President, PM Modi, Amit Shah, and Yogi Adityanath to create a separate Purvanchal state**
- **Why is the demand for a Purvanchal state so crucial? An appeal by Chandrabhan Nishad, National President of the Fisherman Army**

Pawan Kumar Gupta

Gorakhpur. The Purvanchal region, spread across the eastern part of Uttar Pradesh, has maintained its distinct cultural, linguistic, and economic identity for centuries. The people of this region, comprising districts like Gorakhpur, Azamgarh, Deoria, Kushinagar, Mau, Ballia, Ghazipur, Chandauli, Mirzapur, Sonbhadra, Bhadohi, Jaunpur, Sant Kabir Nagar, Siddharthnagar, Maharajganj, Basti, Siddharthnagar, and Shravasti, have long been demanding a separate Purvanchal state. Shri Chandrabhan Nishad, National President of the Fisherman Army, has urged the Honorable President Droupadi Murmu, Prime Minister Narendra Modi, Home Minister Amit Shah, and Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath to grant Purvanchal full statehood and ensure its people receive their due rights. Respecting Purvanchal's centuries-old distinct identity, its formation should be expedited, as it will not only accelerate development but also address regional imbalances."Purvanchal's history dates back to ancient times, serving as a center of Buddhist and Jain culture. From Kushinagar, the site of Lord Buddha's Mahaparinirvana, to Ayodhya, the birthplace of Lord Rama, this region is replete with cultural heritage. The demand for a Purvanchal state stems from the fact that this region is a stronghold of dialects like Bhojpuri, Awadhi, and Braj, which are distinct from the Hindi spoken in western Uttar Pradesh. During the British era, Purvanchal was considered a separate administrative unit, but in independent India, it was merged with the rest of Uttar Pradesh. The result? Uneven distribution of development. Today, the people of Purvanchal are grappling with problems like poverty, unemployment, and floods. Leaders like Chandrabhan Nishad believe that a separate Purvanchal state would allow for greater focus on local issues, such as Ganga-Gomti flood control and the development of the fisheries industry. Organizations like the Fisherman Army are raising the voice of the Nishad community living along the riverbanks, who are a vital part of Purvanchal's economy.

Economic Backwardness and Development Obstacles: A Solution Through Purvanchal State Formation

Purvanchal is the poorest region in Uttar Pradesh. Its per capita income is 30% lower than the national average. The demand for a separate Purvanchal state is strong because Lucknow-Agra-centric development neglects Purvanchal. Industrialization is negligible in the Gorakhpur division, while coal and diamond reserves in Sonbhadra, located near the China border, remain untapped. The creation of a Purvanchal state would lead to the formation of a local government that would promote tourism (Buddhist circuit), agriculture (rice and sugarcane), and the fisheries industry. Chandrabhan Nishad said, "The people of Purvanchal deserve their rights and entitlements." State formation would create jobs, curb migration, and increase contributions to the GDP. New states like Jharkhand and Chhattisgarh have proven that regional states are a roadmap for development.

Political Appeal: A United Voice for Purvanchal State, from the President to the PM

Chandrabhan Nishad, National President of the Fisherman Army, has appealed to the Honorable President to grant statehood to Purvanchal under Article 3 of the Constitution. He has urged Prime Minister Narendra Modi to provide Purvanchal with a special package similar to those given to the northeastern states. He has demanded that Home Minister Amit Shah constitute a State Reorganization Commission. Chief Minister Yogi Adityanath, who himself hails from Gorakhpur, understands the plight of Purvanchal. The Yogi government built the Purvanchal Expressway, but a full-fledged state is the only permanent solution. The 10 crore people of Purvanchal will support the BJP if their demand is met. This demand transcends party lines—the SP and BSP have also supported it at various times.

Benefits of Purvanchal State Formation

Protection of people's rights and entitlements: With Purvanchal becoming a separate state, education and healthcare services will improve in the local language. Communities like Nishad, Yadav, and Kurmi will directly benefit from reservations and schemes. Environmental issues such as Ganga cleaning will receive increased focus. Under the leadership of Chandrabhan Nishad, the Fisherman Army has collected thousands of signatures. This movement is peaceful but resolute. The central government has an opportunity to send a message of unity by granting statehood to Purvanchal.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।